मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 95, मुंबई, बुधवार, 26 मई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

36 साल के कैरियर में चार प्रधानमंत्रियों के साथ काम कर चुके सुबोध कुमार ने एक कार्यक्रम में बताया था कि वे झारखंड के छोटे से गांव से हैं, तीन बार एनडीए के एग्जाम में नाकामयाब हुए थे

सीबीआई के नए BOSS

सुबोध जायसवाल बेदाग छवि के अफसर माने जाते हैं। पुलिस सेवा में बेहतरीन काम के लिए उन्हें 2009 में प्रेसिडेंट पुलिस मेडल से भी नवाजा जा चुका है। जायसवाल को जासूसों का मास्टर भी कहा जाता है

1985 बैच के आईपीएस सुबोध कुमार जायसवाल सीबीआई के नए डायरेक्टर बनाए गए

नई दिल्ली। 1985 बैच के आईपीएस सुबोध कुमार जायसवाल को सीबीआई का नया डायरेक्टर बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई हाई लेवल कमिटी की मीटिंग में इसका फैसला लिया गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सुबोध कुमार जायसवाल महाराष्ट्र के डीजीपी और एटीएस चीफ रह चुके हैं

रिश्वत लेने के आरोप में अधिकारी गिरफ्तार

मुंबई की आरे दुग्ध आवासीय कॉलोनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के आवास से 3.4 करोड़ रुपये नकद बरामद

संवाददाता

मुंबई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने मंगलवार को मुंबई की आरे दुग्ध आवासीय कॉलोनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के आवास से 3.4 करोड़ रुपये नकद बरामद किए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे एक दिन पहले सीईओ नाथू विट्ठल राठौड़ और एक सुरक्षा गार्ड को रिश्वत के मामले में गिरफ्तार किया गया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्रः होम आइसोलेशन बंद

अब कोरोना मरीजों को जाना पड़ेगा कोविड सेंटर

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बताया कि राज्य के 18 जिलों में कोरोना महामारी के मरीजों का पॉजिटिविटी रेट अभी भी काफी ज्यादा है। लिहाजा इन जगहों पर होम आइसोलेशन को पूरी तरह से बंद किया जाएगा। अब यहां के कोरोना मरीजों को कोविड सेंटर में जाना होगा। अब राज्य में सभी नए कोरोना मरीजों को होम आइसोलेशन की जगह कोविड सेंटर में रहना होगा।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में महामारी के खिलाफ नई तैयारियां, ब्लैक फंगस महामारी घोषित

ब्लैक फंगस यानी म्यूकर माइकोसिस (ब्लैक फंगस) को महाराष्ट्र में महामारी घोषित कर दिया गया है। इसकी जानकारी राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने मंगलवार को दी। अब तक महाराष्ट्र में ब्लैक फंगस के 2,245 मामले सामने आए हैं। महात्मा ज्योतिबा फुले योजना के तहत 131 सरकारी अस्पतालों में ब्लैक फंगस का मुफ्त इलाज किया जाएगा। फिलहाल 1,007 मरीजों को मुफ्त इलाज दिया जा रहा है। इन अस्पतालों में ब्लैक फंगस के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन मुफ्त में दिए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को जून के पहले हफ्ते में ब्लैक फंगस के इंजेक्शन 'एम्फोटेरिसिन-बी' के 60 हजार वायल ग्लोबल टेंडर के जरिए मिलेंगे। टोपे के मुताबिक, राज्य में 90 मरीजों की मौत ब्लैक फंगस से हुई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

संक्रमण और किसान

यह खबर चिंताजनक है कि पिछले छह महीने से चल रहे किसान आंदोलन में अब 26 मई को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम भी शामिल हो गया है। इसके लिए आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में किसान दिल्ली की ओर कूच करने को तैयार हैं। देश में कोरोना संक्रमण की भयावह दूसरी लहर कुछ हल्की भले पड़ी हो, पर अभी थमी नहीं है। ऐसे में, यह अंदेशा होना स्वाभाविक है कि ऐसे विरोध प्रदर्शनों से फिर संक्रमण की रफ्तार बढ़ सकती है। यह देखा गया है कि किसान आंदोलन में कोविड से संबंधित सावधानियों के पालन में लापरवाही बरती जाती है, बल्कि ऐसे माहौल में सावधानी रखना लगभग नामुमकिन ही है। रैली, मेले, धरने-प्रदर्शन वगैरह में न तो सामाजिक दूरी का ख्याल रखना संभव होता है, न ही यह सुनिश्चित करना कि सभी लोग मास्क पहनें। यह बात निश्चित रूप से नहीं कही जा सकती कि इस आंदोलन की वजह से कोविड का कितना फैलाव हुआ, लेकिन ऐसे असुरक्षित माहौल से संक्रमण फैलना स्वाभाविक ही है। इसलिए बेहतर होगा कि सभी संबंधित पक्ष समझदारी दिखाएं। किसान अपने आंदोलन के छह महीने पूरे होने के मौके पर यह विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह उनके लिए माकूल मौका इसलिए भी है कि रबी की फसल कट चुकी है और खरीफ की फसल की बुवाई में अभी वक्त है। फिर भी, कोरोना संकट के मद्देनजर संयम का परिचय देते हुए वे अपने विरोध प्रदर्शन को कुछ वक्त के लिए टाल दें, तो इससे आंदोलन को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा, और उनके प्रति समाज में सम्मान ही बढ़ेगा। देश के सभी प्रमुख विरोधी दलों ने किसानों के इस प्रदर्शन का समर्थन किया है और सरकार से यह आग्रह किया है कि वह जिद छोड़कर किसानों से बातचीत के लिए आगे आए। किसानों और सरकार के बीच बातचीत जनवरी में खत्म हो गई थी, जब आगे समझौते के आसार नहीं बचे थे। सरकार ने प्रस्ताव दिया था कि वह तीनों विवादित कृषि कानूनों को अगले अठारह महीने तक स्थगित कर देगी, पर किसान इनको खत्म करने, एमएसपी को कानूनन अधिकार बनाने व स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों को पूरी तरह लागू करने पर अडे. हुए हैं। जो भी स्थिति हो, समस्या का हल बातचीत से ही निकलेगा, और लोकतंत्र में आदर्श हल वही होता है, जिसमें किसी एक की जीत और दूसरे की हार नहीं होती। यह सरकार को भी समझना चाहिए कि अब तक जो बातचीत हुई है, उसमें लचीलेपन और एक-दूसरे को समझने की भावना की कमी थी और लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार को नागरिकों के सामने बड़प्पन और उदारता दिखानी होती है। अगर किसान इस हद तक लड़ने पर आमादा हैं, तो इसलिए कि वे इसे जीवन-मरण का सवाल मानते हैं, सिर्फ सरकारी नीतियों में बदलाव या आर्थिक सुधार का नहीं। जब देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर हो और किसानों या आम लोगों की आय नहीं बढ़ रही हो, तब वे हर ऐसे कदम को शक की नजर से देखते हैं। आर्थिक सुधारों में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि उन्हें किस वक्त पर और किस तरह से लागू किया जाता है, और इन सुधारों में सबसे बड़ी समस्या यही रही है। लेकिन अब भी बातचीत और सौहार्द से रास्ता निकल सकता है, और कोरोना के फैलाव के गैर-जरूरी अंदेशे को भी रोका जा सकता है।

दुष्चक्र में फंस गया वैक्सीनेशन !

भारत का वैक्सीनेशन अभियान खराब फैसलों और कुप्रबंधन के ऐसे दुष्चक्र में फंस गया है, जिसमें से इसका निकलना कम से कम अभी मुश्किल दिख रहा है। इस दुष्चक्र से निकलने में जितना अधिक समय लगेगा, वायरस का संकट उतना गहराता जाएगा और कोरोना के भंवर जाल से निकलना भारत के लिए उतना ही मुश्किल होता जाएगा। फिर भारत उसी तरह दुनिया के लिए संकट बनेगा, जिस तरह ऑक्सीजन की कमी के समय बना था। अप्रैल के महीने में भारत में ऑक्सीजन का ऐसा संकट बना कि सारी दुनिया चिंतित हो गई थी। दुनिया के देशों ने भारत के संकट का वैश्विक खतरा बूझा और भारत को मदद भेजनी शुरू की। ऑक्सीजन सिलेंडर, कंसट्रेटर, वेंटिलेटर, क्रायोजेनिक टैंकर आदि बड़ी मात्रा में दुनिया के देशों से भारत पहुंचे और भारत में स्थिति काबू में आई।

मुश्किल यह है कि दुनिया के देश इस तरह की मदद वैक्सीन के मामले में नहीं कर सकते हैं क्योंकि वैक्सीन की कमी उनके यहां भी है। किसी भी मुल्क के पास इतनी मात्रा में वैक्सीन नहीं उपलब्ध है कि वह भारत जैसी विशाल आबादी वाले देश की मदद कर सके। अमेरिका एक-दो करोड़ डोज उपलब्ध करा दे तो वह उसकी कृपा होगी। इसी तरह थोड़े समय के बाद दुनिया के दूसरे विकसित देश भी कुछ वैक्सीन डोज दे सकते हैं लेकिन भारत की जरूरत तात्कालिक है। दुनिया के देश वैक्सीन के मामले में भारत की ज्यादा मदद करने की स्थिति में इसलिए भी नहीं हैं क्योंकि वैक्सीन बनाने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों की नीतियां और शर्तें ऐसी हैं, जिन्हें स्वीकार करना भारत के लिए मुश्किल है। तभी भारत का वैक्सीन संकट ज्यादा चिंता वाला है। सबसे पहले तो यह समझने की जरूरत है कि भारत में वैक्सीनेशन की रफ्तार घटने का पहला और बड़ा असर क्या होगा? भारत में वैक्सीनेशन की रफ्तार घटने और कम लोगों को वैक्सीन लगाए जाने का सबसे पहला और बड़ा असर यह होगा कि भारत

में कोरोना को फलने-फूलने का मौका मिलेगा। दुनिया के वैज्ञानिकों ने इसे लेकर चिंता जताई है। अमेरिका की कोविड रिस्पांस टास्क फोर्स की सदस्य और कोविड वैक्सीन कम्युनिकेशन वर्क ग्रुप की प्रमुख डॉक्टर सायरा मडाड ने भारतीय मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा है- भारत में वैक्सीन लगने में जितनी देरी हो रही है और वैक्सीनेशन की रफ्तार जितनी धीमी है वह वायरस को म्यूटेट होने का उतना ज्यादा मौका दे रहा है और यह दुनिया के लिए खतरा हो सकता है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि यह दुखद है कि भारत से जिस तैयारी की उम्मीद थी, उस मुताबिक उसने तैयारी नहीं की। दुनिया भर में वायरोलॉजी और इम्यूनोलॉजी के जानकार इस बात पर एक राय हैं कि जितनी जल्दी हो उतनी जल्दी वैक्सीन लग जानी चाहिए। इसमें अगर समय लगा या वायरस को म्यूटेट होने का ज्यादा समय मिला तो वैक्सीनेशन का पूरा मकसद ही विफल हो जाएगा। अगर वायरस ने नया स्वरूप ग्रहण कर लिया, उसमें नए फीचर डेवलप हो गए तो पुरानी वैक्सीन उस पर कारगर नहीं रह पाएगी। तभी अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन या चीन और रूस जैसे देश युद्धस्तर पर वैक्सीन लगवा रहे हैं और जल्दी से जल्दी अधिकतर आबादी को वैक्सीन लगवाने का प्रयास कर रहे हैं। इसके उलट भारत में खतरा बढ़ने के साथ ही वैक्सीनेशन की रफ्तार धीमी पड़ गई। वैक्सीन लगने की रफ्तार इसलिए धीमी पड़ी है क्योंकि भारत में वैक्सीन उपलब्ध नहीं है और अगले कुछ दिनों तक आसानी से वैक्सीन उपलब्ध होने की उम्मीद भी नहीं दिख रही है। वैक्सीन की कमी दूर करने के लिए ग्लोबल टेंडर इन दिनों फैशन में है। पर असलियत यह है कि दुनिया की कोई भी कंपनी भारत को वैक्सीन देने नहीं आ रही है और न भारत के राज्यों की आर्थिक हैसियत ऐसी है कि वे दुनिया की महंगी वैक्सीन अफोर्ड कर सकें। दुनिया के अमीर देशों में लगाई जा रही वैक्सीन भारत नहीं आ रही है। अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना ने पंजाब सरकार से दो टूक अंदाज में कहा है कि वह राज्यों के साथ वैक्सीन का सौदा नहीं करेगी। वह सीधे केंद्र सरकार से बात करेगी। अब सवाल है कि केंद्र सरकार क्यों उसके साथ सौदा करेगी, जब उसने देश की बहुसंख्यक आबादी को वैक्सीन लगवाने की जिम्मेदारी राज्यों पर छोड़ दी है! अगर उसे खुद सौदा करके सबके लिए वैक्सीन खरीदनी होती तो वह वैक्सीनेशन नीति में बदलाव ही क्यों करती?

दूसरी मुश्किल यह है कि मॉडर्ना और फाइजर इन दोनों कंपनियों की शर्त है कि वे तभी वैक्सीन की आपूर्ति करेंगे, जब यह करार किया जाए का वैक्सीन के किसी साइड इफेक्ट के लिए उनको जिम्मेदार नहीं माना जाएगा। वे भारत सरकार से इन्डेमनिटी बांड यानी किसी किस्म की हानि से अपनी सुरक्षा का करार करना चाहते हैं। भारत सरकार इसके लिए शायद ही तैयार होगी। इन वैक्सीन के साथ खास कर फाइजर के साथ यह मुश्किल भी है कि उसके लिए स्टोरेज की व्यवस्था भारत में नहीं है। इनको माइनस से नीचे के तापमान पर रखना होगा। इसी बात का हवाला देते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि उनकी सरकार ग्लोबल टेंडर नहीं निकालने जा रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पहले ही यह बात कह चुके हैं। पंजाब के अनुभव से यह भी पता चल गया है कि राज्यों को ये वैक्सीन वैसे भी नहीं मिलने वाली है। सो, ले-देकर राज्यों को अपने देश में वैक्सीन बना रही कंपनियों पर ही निर्भर रहना होगा।

बंगाल में राजनीति से भागती भाजपा !

भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल में राजनीति नहीं कर रही है, बल्कि राजनीति से भाग रही है। उसे प्रदेश की जनता ने एक मजबूत विपक्ष चुना है। उसके पास 75 विधायक हैं और मुख्यमंत्री को हराना वाला नेता पार्टी के विधायक दल का नेतृत्व कर रहा है। भाजपा को 38 फीसदी वोट मिले हैं। यानी लोकसभा चुनाव में जीतने लोगों ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट दिया था, उससे सिर्फ दो फीसदी कम लोगों ने राज्य में सरकार बनाने के लिए भाजपा को वोट दिया। यह मामूली बात नहीं है। दूसरे राज्यों में लोकसभा के मुकाबले भाजपा के वोट में दस-दस फीसदी तक की कमी आई है। लेकिन बंगाल में सिर्फ दो फीसदी का अंतर आया। लगातार दो चुनावों में 38 फीसदी या उससे ज्यादा वोट हासिल करना दिखाता है कि पार्टी एक मजबूत आधार बना चुकी है, जिस पर वह दीर्घावधि में राजनीति कर सकती है। लेकिन हैरानी की बात है कि पार्टी राजनीति नहीं कर रही है। भाजपा का कोई राजनीतिक अभियान अभी तक नहीं दिखा है। राज्य के कुछ हिस्सों में हुई हिंसा के बाद पांच मई को प्रदर्शन करने की घोषणा के अलावा पार्टी का कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं दिख रहा है। इसकी

बजाय भाजपा राज्यपाल, केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों का ज्यादा इस्तेमाल कर रही है। यह मजबूत विपक्ष का काम नहीं है। यह काम वहां हो सकता है, जहां पार्टी कमजोर हो या पार्टी का आधार नहीं हो। वहां केंद्रीय मंत्रियों को भेज कर या केंद्रीय एजेंसियों के जरिए या राज्यपाल के जरिए पार्टी चुनी हुई सरकार पर दबाव बना सकती है। लेकिन जहां उसके पास 75 विधायक हों और 38 फीसदी वोट हो वहां पार्टी को जमीनी राजनीति करनी चाहिए। बंगाल में इसका उलटा हो रहा है। वहां भाजपा जमीनी राजनीति से भाग रही है। राज्य में चुनाव नतीजे आए हुए 22 दिन हो गए हैं और शुभेंदु अधिकारी के विधायक दल का नेता चुने गए भी दो हफ्ते हो गए लेकिन वे क्या कर रहे हैं यह किसी को पता नहीं है। कहीं से शुभेंदु अधिकारी की कोई खबर नहीं आई है। इसी तरह मुकुल रॉय क्या कर रहे हैं या पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, जो चुनाव के दौरान बेहद सक्रिय थे, वे कहां हैं, यह भी पता नहीं है। पार्टी ने पांच सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा था, जिनमें से तीन हार गए और जीते हुए दो सांसदों ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। वे सब अपने पुराने खोल में लौट गए दिखते हैं। बंगाल में भाजपा के राजनीति करने की बजाय सिर्फ यह खबर आ रही है कि सीबीआई ने नारद स्टिंग ऑपरेशन मामले में तृणमूल के चार विधायकों को गिरफ्तार कर लिया या राज्यपाल ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया या राज्यपाल ने पुलिस प्रमुख को बुला कर राजभवन की सुरक्षा के बारे में जवाब-तलब किया या केंद्रीय मंत्री ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। कायदे से तो नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी को हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करना चाहिए और उसे लेकर कोई आंदोलन खड़ा करना चाहिए! भाजपा की बजाय अब भी ममता बनर्जी ही राजनीति करती ज्यादा दिख रही हैं। चाहे सीबीआई के दफ्तर में छह घंटे बैठे रहने का मामला हो या प्रधानमंत्री की बैठक में नहीं बोलने देने का मुद्दा उठाने की बात हो, वे राजनीतिक मोर्चे पर ज्यादा सक्रिय दिख रही हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंबई के सिर्फ 10 वॉर्डों में बचे कंटेन्मेंट जोन

मुंबई। महानगर में कोरोना मरीजों की घटती संख्या एवं तेजी से ठीक होने के बढ़ते आंकड़े का फायदा मुंबईकरों को हो रहा है। मुंबई में 24 वॉर्डों में से अब सिर्फ 10 वॉर्डों में कंटेन्मेंट जोन रह गए हैं, जबकि 14 वॉर्ड कंटेन्मेंट जोन मुक्त हो गए हैं। जबकि 7 वॉर्डों में एक भी माइक्रो कंटेन्मेंट जोन नहीं है। वहीं एक वॉर्ड में एक भी सील बिल्डिंग नहीं है। करीब डेढ़ साल से कोरोना संकट का सामना कर रहे मुंबईकरों के लिए यह बड़ी राहत की खबर है। मुंबई में सिर्फ 44 कंटेन्मेंट जोन ऐक्टिव हैं, जिसमें करीब 2.33 लाख लोग रहते हैं, जबकि कोरोना मरीजों के ठीक होने के बाद अब तक 2747 कंटेन्मेंट जोन रिलीज किए जा चुके हैं। बीएमसी के अनुसार, मुंबई में लंबे समय तक कोरोना का हॉटस्पॉट रही बोरीवली एरिया कंटेन्मेंट जोन फ्री हो गई है। इसी तरह दहिसर, गोरेगांव,

मालाड, घाटकोपर, अंधेरी वेस्ट, बांद्रा पूर्व, वर्ली, धारावी, परेल, वडाला, कालबादेवी, सैंडहर्स्ट रोड एवं कोलाबा में एक भी कंटेन्मेंट जोन नहीं है। जबकि मुलुंड, बांद्रा पश्चिम एवं ग्रांट रोड एरिया में 1- 1 एक्टिव कंटेन्मेंट जोन है। कुर्ला वार्ड में 2, भांडुप, चेंबूर व भायखला में 4-4 एक्टिव कंटेन्मेंट जोन हैं। इसी तरह गोवंडी में 7, अंधेरी पूर्व में 9 एवं सर्वाधिक 11 कांदिवली एरिया में हैं।

208 ऐक्टिव माइक्रो कंटेन्मेंट जोन

बीएमसी डैश बोर्ड के अनुसार मुंबई में माइक्रो कंटेन्मेंट जोन की संख्या में भी तेजी से कमी आ रही है। उसकी सबसे बड़ी वजह लोग बड़ी संख्या में कोरोना को मात दे रहे हैं। मुंबई में अब भी 208 एक्टिव माइक्रो कंटेन्मेंट जोन हैं। जिसमें 1.79 लाख लोग रहते हैं। जबकि अब तक 65 हजार 830 माइक्रो कंटेन्मेंट जोन को रिलीज किया जा चुका है। यहां सबसे अच्छी बात यह है कि मुंबई में 24 वॉर्डों में से 7 वार्ड माइक्रो कंटेन्मेंट जोन मुक्त हो चुके हैं। जिसमें कांदिवली, बोरीवली, घाटकोपर, परेल, कालबादेवी, सैंडहर्स्ट रोड एवं कोलाबा की एरिया शामिल है। जबकि मुलुंड, गोरेगांव एवं वडाला एरिया में सिर्फ 1-1 माइक्रो कंटेन्मेंट रह गए हैं। मुंबई में अंधेरी पश्चिम की एरिया में सबसे ज्यादा 55 माइक्रो कंटेन्मेंट जोन हैं।

मुंबई में अब भी 4534 फ्लोर सील: मुंबई में अब भी कोरोना के कारण सबसे ज्यादा पब्लिक सील बिल्डिंगों में रहती है। जिसकी संख्या 6.97 लाख है। इससे पता चलता है कि अब भी सबसे ज्यादा कोरोना के मरीज हाइराइज बिल्डिंगों से मिल रहे हैं। मुंबई में अब भी 4534 फ्लोर सील हैं। यह बीएमसी के लिए चिंता का विषय है। मुंबई में सबसे ज्यादा सील फ्लोर कांदिवली एरिया में 975 हैं। जबकि अंधेरी वेस्ट में 602 हैं। जबकि सबसे कम सील फ्लोर परेल में शून्य, बांद्रा पूर्व में 3 एवं कोलाबा में 6 हैं। बता दें कि कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल ने कंटेन्मेंट जोन, सील फ्लोर व माइक्रो कंटेन्मेंट जोन के लिए अलग-अलग गाइडलाइंस जारी किए थे। जिसके मुताबिक स्लम एरिया में ज्यादा मरीज मिलने पर उसे कंटेन्मेंट जोन घोषित किया जाएगा, जबकि एक फ्लोर पर एक कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने पर उस फ्लोर को सील कर दिया जाएगा। वहीं एक बिल्डिंग में 5 से अधिक कोरोना मरीज मिलने पर उसको माइक्रो कंटेन्मेंट जोन घोषित किया जाएगा।

बिना मास्क वाले भर चुके 48 करोड़ से ज्यादा जुर्माना

मुंबई। कोरोना संकट का सामना कर रहे कुछ मुंबईकर लापरवाही से बाज नहीं आ रहे हैं। बिना मास्क के घुमते हुए अब भी हर वॉर्ड में प्रतिदिन सैकड़ों लोग पकडे जा रहे हैं और जुर्माना भर रहे हैं। मुंबई में अब तक बिना मास्क के 23 लाख 96 हजार 249 लोग पकड़े जा चुके हैं। जिनसे बीएमसी अब तक 48 करोड़ 28 लाख 80 हजार 800 रुपये वसूल चुकी है। वहीं मुंबई पुलिस ने बिना मस्क वाले 3 लाख 38 हजार 509 के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 6 करोड़ 77 लाख 1800 रुपये जुर्माना वसूल चुकी है, जबकि सेंट्रल, वेस्टर्न व हार्बर लाइन पर 23 हजार 891 लोगों से 50 लाख 39 हजार 200 रुपये की दंड वसूली रेलवे द्वारा की गई है। बीएमसी के अनुसार

मुंबई में सबसे अधिक 4 लाख 25 हजार 674 लोगों से जोन 2 के अंतर्गत परेल, वडाला, सायन, माटुंगा, धारावी, दादर, माहिम एवं वर्ली, प्रभादेवी में 8 करोड़ 54 लाख 66 हजार 900 रुपये का दंड वसूला गया है। वहीं सबसे कम जोन 2 में 2 लाख 71 हजार 489 बिना मास्क वालों पर 5 करोड़ 45 लाख 14 हजार 500 रुपये दंड लगाया गया है। बता दें कि मुंबई में कोरोना संक्रमण बढ़ने के बाद बीएमसी ने अप्रैल 2020 से बिना मास्क वालों पर दंडात्मक कार्रवाई शुरू की है। बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल मुंबई में बिना मास्क वालों के खिलाफ सभी 24 वॉर्डों के असिस्टेंट कमिश्नर को कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया है। लेकिन मुंबई में बड़ी संख्या में लोग अब भी बिना मास्क के घूमने निकल जाते हैं। विशेषज्ञों का शुरू से कहना है कि मास्क कोरोना संक्रमण से सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। जब मुंबई दूसरी लहर का सामना कर रही है, बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही है, ऐसी स्थिति में भी लोग मास्क पहनने से परहेज कर रहे हैं।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

अगर किसी मजदूर की फैक्ट्री की किसी मशीनरी के कारण मौत हो जाये तो क्या करना चाहिए?

उत्तरः अक्सर हम फैक्ट्री में मजदूरों की काम करते समय अकस्मत मौत हो जाने की खबर सुनते या पढ़ते है, जिसका कारण फैक्ट्री की ही कोई मशीन होती ऐसे में हमारे पास उसकी जांच करवाने के लिए सीआरपीसी की धारा 174 में उपाय मौजूद है। सर्वप्रथम आप ऐसी दुर्घटना की जानकारी पुलिस को दें।

सीआरपीसी की धरा १७४ के अनुसारः

जब पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी, या राज्य सरकार द्वारा उस निमित्त विशेषतया सशक्त किए गए किसी अन्य पुलिस अधिकारी को यह इत्तिला मिलती है कि किसी व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली है अथवा कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या जीवजन्तु द्वारा या किसी यंत्र द्वारा या दुर्घटना द्वारा मारा गया है. अथवा कोई व्यक्ति ऐसी परिस्थितियों में मरा है जिनसे उचित रूप से यह संदेह होता है कि किसी अन्य व्यक्ति ने कोई अपराध किया है तो वह मृत्यु समीक्षाएँ करने के लिए सशक्त निकटतम कार्यपालक मजिस्ट्रेट को तुरन्त उसकी सूचना देगा और जब तक राज्य सरकार द्वारा विहित किसी नियम द्वारा या जिला या उपखण्ड मजिस्ट्रेट के किसी साधारण या विशेष आदेश द्वारा अन्यथा निदिष्ट न हो वह उस स्थान को जाएगा जहाँ ऐसे मृत व्यक्ति का शरीर है और वहाँ पड़ोस के दो या अधिक प्रतिष्ठित निवासियों की उपस्थिति में अन्वेषण करेगा और मृत्यु के दृश्यमान कारण की रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें ऐसे घावों, अस्थिभंगों, नीलों और क्षति के अन्य चिह्नों का जो शरीर पर पाए जाएँ, वर्णन होगा और यह कथन होगा कि ऐसे चिह्न किस प्रकार से और किस आयुध या उपकरण द्वारा (यदि कोई हो) किए गए प्रतीत होते हैं। उस रिपोर्ट पर ऐसे पुलिस अधिकारी और अन्य व्यक्तियों द्वारा, या उनमें से इतनों द्वारा जो उससे सहमत है, हस्ताक्षर किए जाएँगे और वह जिला मजिस्ट्रेट या उपखण्ड मजिस्ट्रेट को तत्काल भेज दी जाएगी।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।
Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

(पृष्ठ 1 का शेष)

सीबीआई के नए बॉस

इस कमिटी में भारत के चीफ जस्टिस एनवी रमना और लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी शामिल थे। मंगलवार को पर्सनल मिनिस्ट्री ने उनकी नियुक्ति का ऑर्डर जारी किया। सीबीआई डायरेक्टर का पद फरवरी से खाली है। अभी अतिरिक्त निदेशक प्रवीण सिन्हा इसके अंतरिम प्रमुख हैं। सीबीआई चीफ की दौड़ में उत्तर प्रदेश के डीजीपी एचसी अवस्थी, एसएसबी के डीजी कुमार राजेश चंद्रा और गृह मंत्रालय के विशेष सचिव वीएसके कौमुदी आगे चल रहे थे, लेकिन आखिर में सुबोध कुमार जायसवाल का नाम फाइनल किया गया। वे दो साल तक इस पद पर रहेंगे। सुबोध कुमार जायसवाल महाराष्ट्र के डीजीपी और एटीएस चीफ रह चुके हैं। अभी वह सीआईएसएफ के डायरेक्टर जनरल हैं। 58 साल के जायसवाल 2022 में रिटायर होंगे। सीनियर आईपीएस ऑफिसर सुबोध जायसवाल बेदाग छवि के अफसर माने जाते हैं। पुलिस सेवा में बेहतरीन काम के लिए उन्हें 2009 में प्रेसिडेंट पुलिस मेडल से भी नवाजा जा चुका है। जायसवाल को जासूसों का मास्टर भी कहा जाता है। उन्होंने रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) में भी अपनी सेवाएं दी हैं। वह कैबिनेट सचिवालय में अतिरिक्त सचिव भी रह चुके हैं। जायसवाल ने कई बड़े मामलों की जांच लीड की है। मुंबई पुलिस में रहते हुए वह करोड़ों रुपए के जाली स्टंप पेपर घोटाले की जांच करने वाली स्पेशल टीम के चीफ थे। साल 2006 में हुए मालेगांव विस्फोट की जांच भी सुबोध कुमार जायसवाल ने ही की थी। वह प्रधानमंत्री, पूर्व पीएम और उनके परिवारों की सुरक्षा करने वाले स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के इंटेलिजेंस ब्यूरो में भी काम कर चुके हैं। 36 साल के कैरियर में चार प्रधानमंत्रियों के साथ काम कर चुके सुबोध कुमार ने एक कार्यक्रम में बताया था कि वे झारखंड के छोटे से गांव से हैं। ग्रेजुएशन और एमबीए करते हुए उन्होंने तीन बार नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) का एग्जाम दिया, लेकिन तीनों बार नाकामयाब रहे। उन्होंने तब बताया था कि यूपीएससी का एग्जाम क्लियर करने के बाद उन्हें पता नहीं था कि इसके बाद नौकरी कौन सी मिलनी है।

रिश्वत लेने के आरोप में अधिकारी गिरफ्तार

अधिकारी ने बताया कि राठौड़ के आवास से 3,46,10,000 रुपये नकद बरामद किए गए। तलाशी से एक दिन पहले राठौड़ को 50 हजार रुपये रिश्वत के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। एसीबी ने राठौड़ (42) और कॉलोनी के एक सुरक्षा गार्ड अरविंद तिवारी के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद सोमवार को जाल बिछाकर उन्हें गिरफ्तार किया। एसीबी की ओर से बताया गया था कि शिकायतकर्ता ने गोरेगांव स्थित कॉलोनी में अपने घर की मरम्मत करने की इजाजत मांगने के लिए राठौड़ से संपर्क किया था। एजेंसी के अनुसार राठौड़ ने शिकायतकर्ता को तिवारी से मिलने को कहा जिसने मरम्मत की अनुमति देने के बदले 50 हजार रू रिश्वत की मांग की। इसके बाद शिकायतकर्ता ने एसीबी से संपर्क किया जिसने जाल बिछाकर तिवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा जबकि राठौड़ को बाद में गिरफ्तार किया गया।

महाराष्ट्र में होम आइसोलेशन बंद

टोपे ने बताया कि राज्य का रिकवरी रेट तेजी से बढ़ रहा है। आशा वर्कर्स को कोरोना टेस्टिंग की ट्रेनिंग दी जाएगी। राजेश टोपे ने बताया कि राज्य के कई जिलों में कोरोना के मामले कम नहीं हो रहे हैं। हालांकि राज्य सरकार अपनी तरफ से पूरा प्रयास कर रही है। यह भी पता चला है कि लोग होम आइसोलेशन में रहने के दौरान लोग घर पर ना रहकर इधर उधर घूमते रहते हैं। ऐसे मरीजों की वजह से दूसरे लोग भी कोरोना संक्रमित हो रहे हैं। इन घटनाओं को देखते हुए राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है। महाराष्ट्र में अभी भी कई जिले ऐसे हैं जो कोरोना महामारी की वजह से रेड जोन में है। यहां अभी भी लगातार कोरोना का खतरा बरकरार है। इन जिलों में पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी से भी ज्यादा है। इनमें कोल्हापुर, सांगली, सातारा, यवतमाल, अमरावती,रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सोलापुर, अकोला, बुलढाणा, वाशिम, गडचिरोली, अहमदनगर और उस्मानाबाद जैसे जिले शामिल हैं। महाराष्ट्र में लगाए गए आंशिक लॉकडाउन की वजह से अब राज्य में कोरोना मामलों में अच्छी खासी गिरावट दर्ज की गई है। इसका सीधा असर अब देश की आर्थिक राजधानी मुंबई और राज्य के अन्य अस्पतालों पर भी पड़ा है। अब अस्पतालों में मरीजों की संख्या धीरे धीरे कम हो रही है और अन्य मरीजों को आसानी से बेड उपलब्ध हो रहा है। टोपे ने बताया कि ब्लैक फंगस महामारी घोषित हो जाने के बाद अब इसके इलाज और मैनेजमेंट के संबंध में महाराष्ट्र शासन, आईएमसीआर और केंद्र से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे।

अब पानी में मिला कोरोना
मुंबई के बाद लखनऊ के सीवेज वाटर में मिला वायरस

एक्सपर्ट बोले– पानी से संक्रमण फैलेगा या नहीं, यह रिसर्च का विषय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना नदी में उतराते सैकड़ों शवों की तस्वीरों ने सभी को झकझोर दिया था। इसी कड़ी में एक चौंकाने वाली जानकारी चिंता बढ़ा सकती है। दरअसल, लखनऊ के भी सीवेज वाटर में कोरोना वायरस की पहचान हुई है। SGPGI के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. उज्ज्वला घोषाल के मुताबिक, कोरोना की दूसरी लहर के बाद ईंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) व वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (WHO) ने रिसर्च स्टडी शुरू की है। इसमें देशभर के अलग-अलग शहरों से पानी में कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए सीवेज सैंपल जुटाए जा रहे हैं। डॉ. उज्ज्वला बताती हैं कि सीवेज सैंपल टेस्टिंग के लिए देश में 8 सेंटर बनाए गए हैं। इनमें यूपी का लखनऊ SGPGI भी है। पहले फेज में लखनऊ के ही 3 साइट से सीवेज सैंपल लिए गए हैं। इनमें से एक जगह के सैंपल में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है। इसके अलावा मुंबई के सीवेज में भी कोरोना वायरस पाया गया है। अभी देश के अन्य शहरों में अध्ययन जारी है। लखनऊ में जिन 3 साइट से सीवेज सैंपल लिए गए हैं, उनमें वह जगहें शामिल हैं, जहां पूरे मोहल्ले का सीवेज एक जगह पर गिरता है। इन इलाकों में पहला- खदरा का रूकपुर, दूसरा- घंटाघर और तीसरा- मछली मोहाल का है। लैब में हुई जांच में रूकपुर खदरा के सीवेज के पानी में वायरस पाया गया है। 19 मई को सीवेज सैंपल में वायरस की पुष्टि होने के बाद इसकी रिपोर्ट बनाई गई है, जिसे अब ICMR को भेज दिया गया है, जो इसे सरकार से साझा करेगी।

सीवेज में वायरस मिलने के पीछे का कारण स्टूल

डॉ. घोषाल बताती हैं कि इस वक्त कोरोना संक्रमित तमाम मरीज होम आइसोलेशन में हैं। ऐसे में उनका मल (स्टूल) सीवेज में आ जाता है। कई देशों में हुए अध्ययनों में पाया गया है कि 50% मरीजों के स्टूल में भी वायरस पहुंच जाता है। ऐसे में सीवेज में वायरस मिलने के पीछे का कारण स्टूल हो सकता है।

पानी से वायरस फैलेगा या नहीं, ये अभी रिसर्च का विषय: डॉ. घोषाल के मुताबिक शहर के पानी में वायरस की पुष्टि तो हो गई है। लेकिन पानी में मौजूद वायरस से संक्रमण फैलेगा या नहीं, यह अभी रिसर्च का विषय है। ऐसे में यूपी के अन्य शहरों से भी सैंपल जुटाए जाएंगे। सीवेज सैंपल टेस्टिंग के आधार पर अब बड़ी स्टडी होगी। साथ ही इससे संक्रमण के फैलाव को लेकर भी अध्ययन किया जाएगा।

हैदराबाद की हुसैन सागर झील में भी मिले वायरस के जेनेटिक मैटेरियल: इससे पहले, हैदराबाद की हुसैन सागर झील के अलावा नागारम की पेद्दा चेरुवु और निजाम तालाब में भी कोरोनावायरस के जेनेटिक मैटेरियल मिल चुके हैं। हालांकि स्टडी में यह भी कहा गया है कि इनसे संक्रमण आगे नहीं फैला। काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, सेंटर फॉर सेलुलर एंड मॉलीक्यूलर बायोलॉजी और एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च ने मिलकर ये स्टडी की है। 7 महीनों के दौरान हुई इस स्टडी में पहली और दूसरी लहर को कवर किया गया है।

टूलकिट केस को लेकर राहुल ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा- 'सत्य डरता नहीं'

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कथित 'कोविड टूलकिट' मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर के कार्यालयों पर छापा मारे जाने के एक दिन बाद मंगलवार को कहा कि सत्य डरता नहीं है। उन्होंने 'हैशटैग टूलकिट' के साथ ट्वीट किया, 'सत्य डरता नहीं।' गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की टीम ने कथित 'कोविड टूलकिट' मामले की जांच के संबंध में ट्विटर इंडिया के दिल्ली और गुरुग्राम स्थित कार्यालयों पर सोमवार की शाम छापा मारा। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विशेष प्रकोष्ठ ने कथित 'कोविड-19 टूलकिट' संबंधी शिकायत को लेकर ट्विटर को नोटिस भेजा और

भाजपा नेता संबित पात्रा के ट्वीट को 'छेड़छाड़ किया हुआ' बताने को लेकर माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट से स्पष्टीकरण मांगा था। पिछले सप्ताह ट्विटर ने कथित 'टूलकिट' से संबंधित पात्रा के ट्वीट को 'छेड़छाड़ किया हुआ' बताया था। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने एक टूलकिट बनाकर कोरोना वायरस के नए स्वरूप को 'भारतीय स्वरूप' या 'मोदी स्वरूप' बताया और देश तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि खराब करने का प्रयास किया। हालांकि, कांग्रेस ने आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया था कि भाजपा उसे बदनाम करने के लिये फर्जी 'टूलकिट' का सहारा ले रही है। कांग्रेस ने भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ पुलिस में 'जालसाजी' का मामला भी दर्ज कराया है।

यूपीः सपा सांसद आजम खां की स्थिति गंभीर, फेफड़ों में मिला फाइब्रोसिस और कैविटी

लखनऊ। लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खां की स्थिति गंभीर है। उनके फेफड़ों में अभी भी संक्रमण है। वहीं आजम खां के बेटे अब्दुल्ला की रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर के अनुसार, आजम खां के फेफड़ों में फाइब्रोसिस और कैविटी पाए जाने के बाद उनका इससे संबंधित इलाज शुरू कर दिया गया है। उनकी स्थिति गंभीर है लेकिन नियंत्रण में है। इस समय उन्हें दो लीटर की जगह पांच लीटर की दर से ऑक्सीजन दी जा रही है। क्रिटिकल केयर विशेषज्ञों की टीम लगातार निगरानी कर रही है। उनकी तबीयत अभी चिंताजनक लेकिन नियंत्रण में है। फेफड़े में फाइब्रोसिस है। आजम को एंटीफंगल दवाएं भी दी जा रहीं हैं। उन्होंने बताया कि आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम की स्थिति अभी स्थिर है। उन्हें भी डॉक्टरों की सघन निगरानी में रखा गया है। मेदांता लखनऊ की क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट टीम उनके बेहतर इलाज के लिए लगातार कोशिश जारी है। गौरतलब है कि रामपुर से सपा सांसद आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला को पिछली नौ मई को कोविड-19 संक्रमण के कारण लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जिलानी की हालत में सुधार

वहीं, आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव जफरयाब जिलानी की हालत में सुधार बताया जा रहा है। जफरयाब जिलानी को वेंटिलेटर से हटाकर आईसीयू में रखा गया है।

10 दिन पहले परिजनों ने किया था अंतिम संस्कार, फिर भी लौट आया मृतक

जयपुर। देश में अक्सर ऐसी खबरें सुनने को मिलती है जिसपर विश्वास करना मुश्किल होता है। अक्सर ऐसी खबरों के पीछे सरकारी लापरवाही होती है जिसके कारण अजब- गजब परिणाम सुनने को मिलते हैं। ऐसा ही एक मामला राजस्थान के जोधपुर से सामने आया है। जानकारी के अनुसार ओंकार लाल नाम के एक व्यक्ति का अंतिम संस्कार 10 दिनों पहले ही कर दिया गया था। पूरे रस्म और रिवाज के साथ किये गये इस अंतिम संस्कार के बाद से पूरा परिवार दुखी था। परिजन ना तो ठीक से खा रहे थे और ना ही चैन से जी पा रहे थे। लेकिन 10 वें दिन कुछ ऐसा हुआ जिसकी उम्मीद शायद किसी को भी नहीं थी। 10 दिन बाद मृतक सही सलामत अपने घर लौट आया। पहले तो परिजन भी चौंक

गये। परिजनों को भी विश्वास नहीं हुआ कि जिसका हमने अपने हाथों से अंतिम संस्कार कर दिया था आखिर वो वापस कैसे लौट आया। बाद में जब पूरा मामाला सामने आया तो परिजनों की खुशियों का कोई ठिकाना नहीं रहा।

क्या था मामला

ओंकार लाल ने बताया कि वो 10 दिनों पहले घर में किसी को बताए बिना उदयपुर चला गया था। लेकिन वहां जाकर वो बीमार पड़ गया। इस कारण वहीं के एक अस्पताल में उसका इलाज चला। अस्पताल में 4 दिनों तक इलाज के बाद वो वापस अपने घर वापल लौट आया। लेकिन पैसे खत्म होने के कारण उसे 6 दिनों का समय लग गया। इधर, परिजन उसे ढूंढकर परेशान थे पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद भी कोई फायदा नहीं हो रहा था। गूम होने के 4 दिनों बाद पुलिस को एक शव मिला। पुलिस ने बिना पंचनामा किये शव को ओंकारलाल का बता दिया। परिजनों ने भी इसे अपने घर का शव मान कर अंतिम संस्कार कर दिया।

बच्चों में सर मुंडवाकर कर दिया था पिंड दान: परिजनों ने बताया कि ओंकार लाल के बेटों ने सर मुंडवाकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया था। परिजनों ने बताया कि अंतिम संस्कार के दौरान निभाई जाने वाली हर विधि को पूरा किया गया था, लेकिन वे अब अपने घर के व्यक्ति को देखकर काफी खुश हैं। बच्चे भी अपने पिता को देख कर उससे लिपट गये। वहीं पुलिस ने अपनी गलती मानते हुए माफी मांगी है। ओंकार लाल की पत्नी का कहना है कि उसे कहीं ना कहीं ये लगता था कि उसके पति जिंदा है और वे एक ना एक दिन जरूर लौटेंगे। वहीं ओंकार का कहना है कि उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि घर लौटकर उसे ऐसा नजारा देखने को मिलेगा।

सागर हत्याकांड: रेलवे ने जारी किए रेसलर सुशील कुमार के निलंबन के आदेश

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की पहलवानी को एक नई दिशा देने वाले पहलवान सुशील कुमार की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। उत्तर रेलवे ने सागर हत्याकांड में गिरफ्तार सुशील कुमार के निलंबन के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं सागर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जो खुलासा हुआ है उसके मुताबिक, सागर धनकड़ के ऊपर किसी धारदार हथियार से हमला किया गया था। ओलंपिक पदक विजेता कुश्ती खिलाड़ी सुशील कुमार और उसके सहयोगी अजय को बाहरी दिल्ली के मुंडका क्षेत्र से 23 मई को गिरफ्तार किया गया था। इन दोनों को छत्रसाल स्टेडियम में 23 वर्षीय पहलवान सागर धनकड़ की मौत में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया था। उत्तर रेलवे के वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक, कुमार 2015 से दिल्ली सरकार में प्रतिनियुक्ति पर थे और स्कूल स्तर पर खेल के विकास के लिए छत्रसाल स्टेडियम में एक विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) के रूप में तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि सुशील को 2020 में सेवा विस्तार मिल गया था और उन्होंने इसे 2021 के लिए बढ़ाने के वास्ते आवेदन किया था जिसे दिल्ली सरकार ने खारिज कर दिया था और उनके कागजात उनके मूल विभाग उत्तर रेलवे के पास भेज दिये थे। उत्तर रेलवे के प्रवक्ता दीपक कुमार ने कहा, अब, सुशील कुमार जेएजी/(तदर्थ) आईआरटीएस को (डीएंडए) नियम, 1968 के नियम 5(2) के अनुसार हिरासत की तारीख यानी 23 मई, 2021 से निलंबित माना जाता है और अगले आदेश तक यह निलंबन जारी रहेगा। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी जघन्य अपराधों में लिप्त पाया जाता है, तो उसे आमतौर पर मामला चलने तक निलंबित कर दिया जाता है।

बुलढाणा हलचल

खाद विक्रेता समान दरों पर खाद बेचें, कृषि विभाग की अपील

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जिले में खरीफ सीजन के लिए रासायनिक खाद और बीज की खरीद लगभग चल रही है। अप्रैल 2021 से उर्वरक निर्माताओं द्वारा यूरिया के अलावा अन्य रासायनिक खतों की कीमत में वृद्धि की गई। केंद्र सरकार ने 20 मई 2021 के निर्देश के अनुसार इन कंपनियों को बढ़ी हुई कीमत पर सब्सिडी देने की घोषणा की है। इसलिए खत विक्रेता उसी दर पर उर्वरक बेचना चाहते हैं। हालांकि, इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कुछ उर्वरक विक्रेता बढ़ी हुई दरों के समान ही मुद्रित कीमतों पर उर्वरक बेच रहे हैं। इससे किसान ठगे जा सकते हैं। खत विक्रेता जिनके पास बढ़ी हुई दरों पर खत का भंडार है। उन्हें संशोधित दर पर खत बेचना चाहिए। किसान भी संशोधित दरों पर खाद खरीदें। यदि उर्वरक संशोधित दरों से अधिक दर पर बेचे जा रहे हैं या यदि ऐसा देखा जाता है, तो किसानों को अपने संबंधित तालुका के तालुका कृषि अधिकारी, पंचायत समिति के कृषि अधिकारी या जिला स्तरीय कृषि इनपुट सेल 7588619505 और जिले के अरुण इंगल से संपर्क करना चाहिए। जिला परिषद बुलडाना के गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक एवं अभियान अधिकारी विजय खोंडिल उर्वरक अनुज्ञापन अधिकारी एवं जिला कृषि अधीक्षक

नरेंद्र नाईक ने मोबाइल नंबर पर संपर्क करने की अपील की है.ये रासायनिक खत कंपनी (50 किलो प्रति बैग) की संशोधित बिक्री दरें हैं। खाता प्रकार ग्रेडः डीएपी - इफको रुपये 1200, जीएसएफसी रुपये 1200, जय किसान 1200 रुपये, कोरोमंडल रुपये 1200, महाधन 1200 रुपये, कृभ रुपये 1200, 10:26:26 - इफको रुपये 1175, जीएसएफसी रुपये कोरोमंडल 1300 रुपये, महाधन 1390 रुपये, कृभ 1300 रुपये, 12:32:16 - इफको रुपये 1185, जीएसएफसी 1185 रुपये, जय किसान 1310 रुपये, महाधन 1370 रुपये, कृभ 1310 रुपये, 20:20: 0: 13 - इफको रुपये 975, जय किसान 1090 रुपये, कोरोमंडल 1050 रुपये, आरसीएफ 975 रुपये, महाधन 1150 रुपये, कृभको 1050 रुपये, 19:19:19 - जय किसान 1575 रुपये। 28:28:00 - जय किसान 1475 रुपये, कोरोमंडल 1450 रुपये, 14:35:14 - जय किसान 1365 रुपये, कोरोमंडल 1400 रुपये, 24: 24: 0: 85 - कोरोमंडल 1500 रुपये, महाधन 1450 रुपये, 15:15: 15:09 - कोरोमंडल रु 1150, 16: 20: 0: 13 - कोरोमंडल रु 1000, 15:15:15 - आरसीएफ रु 1060, 14:28:00 - महाधन रु 1280, 16:16:16 - महाधन रु 1125, एमओपी - रु।

नांदुरा चिकित्सा अधिकारी की पिटाई के खिलाफ कोविड कर्मचारी संघ का विरोध

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। दुनिया को अपनी चपेट में लेने वाली कोविड 19 जैसी महामारी में कोरोना के इस समय में सरकारी स्वास्थ्य कर्मियों को अपने परिवार की परवाह किए बिना अपनी जान जोखिम में डालकर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कोविड संविदा कर्मचारी संघ ने इस बात पर अफसोस जताया है कि इस मुद्दे के समाधान के लिए स्वास्थ्य प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। संघ के जिलाध्यक्ष अमोल कुमार गवई ने नंदुरा के कोविड सेंटर में चिकित्सा अधिकारियों की पिटाई की निंदा की और कर्मचारियों की सुरक्षा की मांग की। उन्होंने अपने निवेदन में जिला कलेक्टर को लिखा कि कुछ मरीज और उनके परिजन स्वास्थ्य कर्मियों से बहस कर रहे थे। चिकित्सा अधिकारियों के साथ मारपीट और गालीगलोच के मामले भी सामने आए हैं। 22 मई को नांदुरा के चिकित्सा अधिकारी डॉ. कोविड सेंटर में शाम करीब पांच बजे डॉ. बेंडे की पिटाई की घटना निंदनीय है। इस घटना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सुरक्षा कर्मियों को पुलिस द्वारा सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। संगठन ने जिला कलेक्टर से भी स्थिति से बाहर होने से पहले इस संबंध में योजना बनाने की मांग की है। इस मांग के बाद जिला प्रशासन क्या करता है, इस पर जिला कोविड संविदा कर्मचारी संघ की नजर है। संविदा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अमोल कुमार और उनके पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर कार्यालय निवेदन दिया।

राजस्थान हलचल

राजस्थान के बीकानेर की सात माह की बच्ची की जान बचाने के लिए पूनम अंकुर छाबड़ा ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को लिखा आग्रह पत्र

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर, बीकानेर। सम्पूर्ण शराब बंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा पूनम अंकुर छाबड़ा ने बीकानेर की सात माह की बच्ची नूर फातिमा के इलाज के लिए प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बच्ची की जान बचाने का आग्रह किया है। बीकानेर के चूनगरान मोहल्ले की सात महीने की बच्ची नूर फातिमा को 'एसएमएन' नामक बीमारी है और इसके इलाज के लिए 16 करोड़ के जोलगेन्स्मा इंजेक्शन की सख्त जरूरत है। अगर जल्द ही नूर फातिमा को यह इंजेक्शन नहीं लगता तो नूर की जान को खतरा भी हो सकता है, नूर फातिमा का आधा शरीर काम नहीं कर

जस्टिस फॉर छाबड़ा (रजि.)
शराब मुक्त राजस्थान, अपराध मुक्त राजस्थान
(पूर्व विधायक)
अंकुर गुरूशरण छाबड़ा
पूनम अंकुर छाबड़ा

श्रीमान/श्रीमती
आदरणीय श्रीमान प्रधानमंत्री जी,
भारत गणराज्य।
दिनांक 25-05-2021

विषय : राजस्थान के बीकानेर की 7 माह की बेटी नूर फातिमा के इलाज हेतू निवेदन।

आदरणीय महोदय,

आपश्री से निवेदन है की राजस्थान के बीकानेर के चूनगरान मोहल्ले की 7 महीने की बच्ची नूर फातिमा को "एसएमएन-1" नामक बीमारी है और इसके इलाज के लिए 16 करोड़ के जोलगेन्स्मा इंजेक्शन की सख्त जरूरत है। अगर जल्द ही नूर फातिमा को यह इंजेक्शन नहीं लगाया गया, तो नूर की जान को खतरा भी हो सकता है नूर फातिमा का आधा शरीर काम नहीं कर रहा है।
समय पर दवा न मिलने से उसकि परेशानी बढ सकती है।

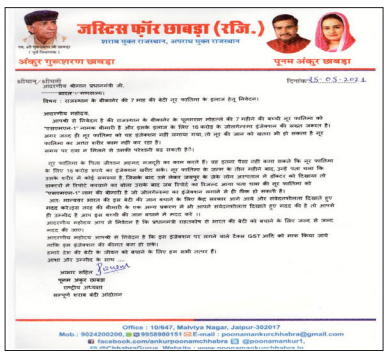

नूर फातिमा के पिता जीशान अहमद मजदूरी का काम करते हैं। वह इतना पैसा नही कमा सकते कि नूर फातिमा के लिए 16 करोड रुपये का इंजेक्शन खरीद सकें। नूर फातिमा के जन्म के तीन महीने बाद, उन्हें पता चला कि उसके शरीर में कोई समस्या है, जिसके बाद उसे लेकर जयपुर के जेके लोन अस्पताल में डॉक्टर को दिखाया तो डाक्टरों ने रिपोर्ट करवाने का बोला उसके बाद जब रिपोर्ट का रिजल्ट आया पता चला की नूर फातिमा को "एसएमएन-1" नाम की बीमारी है जो जोलगेन्स्मा का इंजेक्शन लगाने से ही ठीक हो सकती है।
अतः मान्यवर भारत की इस बेटी की जान बचाने के लिए केंद्र सरकार आगे आये और संवेदनशीलता दिखाते हुए मदद करे।इस तरह की बीमारी के एक अन्य प्रकरण में भी आपने संवेदनशीलता दिखाते हुए मदद की है तो आपसे ही उम्मीद है आप इस बच्ची की जान बचाने में मदद करें ।।
आदरणीय महोदय आप से निवेदन है कि प्रधानमंत्री राहतकोष से भारत की बेटी को बचाने के लिए जल्द से जल्द मदद की जाए।
आदरणीय महोदय आपश्री से निवेदन है कि इस इंजेक्शन पर लगने वाले टैक्स GST आदि को माफ किया जाये ताकि इस इंजेक्शन की कीमत कम हो सके।
हमारे देश की बेटी के जीवन को बचाने के लिए हम सभी तत्पर हैं।
आशा और उम्मीद के साथ ....

आभार सहित Poonam
पूनम अंकुर छाबड़ा
राष्ट्रीय अध्यक्षा
सम्पूर्ण शराब बंदी आंदोलन

Office : 10/647, Malviya Nagar, Jaipur-302017
Mob.: 9024200200, 9958980151 E-mail : poonamankurchhabra@gmail.com
facebook.com/ankurpoonamchhabra @poonamankur1,

रहा है। समय पर दवा न मिलने से उसकी परेशानी बढ़ सकती है और नूर फातिमा के पिता जीशान अहमद मजदूरी का काम करते हैं, वह इतना पैसा नहीं कमा सकते कि नूर फातिमा के लिए 16 करोड़ रुपये का इंजेक्शन खरीद सकें। पूनम अंकुर छाबड़ा ने प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस बच्ची की जान बचाने के लिए इंजेक्शन की व्यवस्था करने में सहयोग का आग्रह किया है। पूनम अंकुर छाबड़ा लगातार अपने संगठन के माध्यम से नूर की मदद करवा रही है पूनम अंकुर छाबड़ा की अपील के बाद देश भर से समाज सेवी लोग नूर के पिता के एकाउंट में अपना सहयोग भेज रहे हैं।

रामपुर हलचल

तालाबों एवं कूड़ा घर का निरीक्षण किया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। प्रशासनिक अधिकारी एडी एम जगदंबा प्रसाद गुप्ता जी व उपजिलाधिकारी निरंकार सिंह व पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मकसूद लाला जी व अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा ने तालाबों एवं कूड़ा घर का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के उपरान्त नगर पालिका परिषद का निरीक्षण किया गया जिसमें कार्यों एवं नगर पालिका के रखरखाव रजिस्ट्रों की जांच कर सभी कार्यों की सराहना की गई तथा बाद में लाकडाउन का जायजा लिया गया मुख्य बाजार के अन्दर कोतवाल माधो सिंह विष्ट ने पुलिस बल के साथ नगर पालिका आफिस के चौराहे पर छोटे एवं बड़े वाहनों व बिन वजह घूमने वालों का चेकिंग किया गया बिना मास्क लगायें घूमने वालों के साथ कड़ा एवं सख्त रवैय्या अपना या गया चेकिंग को लेकर वाहन स्वामियों में हड़कम्प मचा रहा उत्तराखंड आदि को आने जाने वाले चार पहिया वाहनों की भी जमकर चेकिंग की गई हालात के चलते चेकिंग वाहनों में किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता सामने नहीं आ सकी मुख्य बाजार के अन्दर जगह जगह लोगों का झुण्ड दिखाई दिया पुलिस द्वारा उनका पीछा कर उनको डांट फटकार लगा कर उनको अपनी पकड़ में लाने पर पीछा किया गया मौका पाकर लोग वहां से भाग लिये कोई भी व्यक्ति पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका पुलिस के डर से लोग अपने अपने घरों के अन्दर फिट हो गयें इस मौके पर कोतवाल माधो सिंह विष्ट राहुल कुमार, रोहित, कुलवंत सहित अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला, धनीराम सैनी,राजकुमार शुक्ला आदि मौजूद रहे।

समस्तीपुर हलचल

बैंक कर्मचारियों के लिए विशेष टीकाकरण शिविर का किया गया आयोजन

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। यूनियन बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में 25 एवं 26 मई 2021 को जिले के बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों को कोविड 19 टीकाकरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 70 से अधिक बैंक कर्मियों को टीका दिया गया। बता दें कि वित्त मंत्रालय के दिशा निर्देशानुसार अग्रणी जिला प्रबंधक पी. के. सिंह के द्वारा जिलाधिकारी सह अध्यक्ष जिला बैंकर्स समिति से सभी बैंक कर्मियों एवं उनके परिवार के

सदस्यों को टीकाकरण हेतु अनुरोध किया गया था। जिलाधिकारी के निर्देश पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। एलडीएम श्री सिंह ने जिलाधिकारी शशांक शुभंकर एवं स्वास्थ्य प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जो बैंक कर्मी टीका नहीं ले पाये हैं वे बुधवार को भी टीका ले सकते हैं। सरकार द्वारा बैंक कर्मचारीयों को कोरोना योद्धा की श्रेणी में रखते हुए टीकाकरण में प्राथमिकता दिये जाने पर बैंक कर्मियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्र प्रमुख धर्मेंद्र राजोरिया ने सभी बैंकरों से आग्रह किया कि इस टीकाकरण शिविर में स्वयं एवं अपने परिवार को टीका दिलाकर इस महामारी से बचें। मौके पर आरसेटी निदेशक अशोक कुमार, अग्रणी जिला कार्यालय प्रबंधक विकास कुमार एवं आरसेटी के स्टाफ आदि थे।

मीम सेना समस्तीपुर संगठन ने खोला निःशुल्क ऑक्सिजन बैंक केंद्र

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर में ऑक्सीजन उपलब्ध कराने को मीम सेना समस्तीपुर संगठन (मिशन एडुकेट एंड एस्ताब्लिशद मुवमेंट) ने खोला निःशुल्क ऑक्सिजन बैंक यह ऑक्सिजन सिलेंडर कोविड -19 और ब्लैक फंगस के मरीज के

लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। मौके पर मीम सेना समस्तीपुर के जिला अध्यक्ष दानिश रहमान ने कहा की देश में ऑक्सिजन के कमी से बहुत लोगों की जान जा रही है। इसे देखते हुए मीम सेना समस्तीपुर संगठन ने जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क ऑक्सीजन बैंक की सुरुआत की है। उन्होंने ने कहा मीम सेना समस्तीपुर संगठन हमेशा से लोगों की मदद करती आ रही है। इसलिए उनकी टीम ने निर्णय लिया की वो लोग ऑक्सिजन बैंक की शुरुआत करेंगे समस्तीपुर जिला में। दानिश रहमान ने अपने संगठन के कार्यकताओं और सामाजिक लोगों का शुक्रिया अदा किया उन्होंने कहा की आज ये ऑक्सिजन बैंक इन लोगों की वजह से ही खुल पाया है। उन्होंने कहा की जिस भी मरीज को सिलिंडर की जरूरत है वो एक आईडी प्रूफ, कोविड रिपोर्ट और डाक्टर का पुर्जा जमा कर के ये ऑक्सिजन सिलेंडर प्राप्त कर सकते है। मौके पर शारिक इब्राहिम, मोहम्मद फैजान, अली इकबाल, नूर आलम, अमन राज, मोहम्मद अशद, इक़बाल अफरीदी आदि मौजूद थे।

'मक्का लदान को प्रोत्साहित करने हेतु व्यापारियों के साथ विडियो कान्फ्रेंस मीटिंग का आयोजन'

समस्तीपुर। समस्तीपुर मंडल के विभिन्न माल गोदामों से मक्का लदान को बढ़ाने एवं मक्का व्यापारियों को अधिक से अधिक लदान हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंडल के अधिकारियों एवं मक्का व्यापारियों के बीच एक विडियों कान्फ्रेंस मीटिंग का आयोजन किया गया। विडियों लिंक के माध्यम से आयोजित इस मीटिंग में श्री अशोक महेश्वरी, मंडल रेल प्रबंधक, समस्तीपुर, श्री जफर आजम, एडीआरएम-।।, श्री सरस्वती चन्द्र, सिनियर डीसीएम, श्री रूपेश कुमार, सिनियर डीओएम, श्री प्रसन्न कुमार, सिनियर डीसीएम(टीसी) के साथ-साथ कई माल व्यापारी एवं पर्यवेक्षक शामिल थे। बैठक के प्रारम्भ में श्री सरस्वती चन्द्र ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। अपने संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने कहा कि रेलवे प्रशासन माल व्यापारियों को सभी आवश्यक सुविधाएँ देने को प्रतिबद्ध है। व्यापारियों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से पुराने माल गोदामों के साथ-साथ नये गुड्स टर्मिनल पर भी बेहतर सुविधाएँ मुहैया कराई गयी है। व्यापारीगण पुराने/नये माल गोदामों का उपयोग अपने मक्का लदान हेतु कर सकते हैं। मक्का व्यापारी अपने सुविधानुसार माल गोदाम का चयन कर लदान हेतु अगर उन्हें किसी भी प्रकार की सहायता की जरूरत हो तो रेलवे प्रशासन को अवगत करायें। उन्होंने मक्का व्यापारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रेलवे प्रशासन व्यापारियों को सुविधा देने को तैयार है, व्यापारीगण भी समुचित प्लानिंग करते हुए अधिक से अधिक मक्का लदान सुनिश्चित करें। अपने संबोधन में श्री जफर आजम, एडीआरएम-।। ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में इस मंडल से 170 रेक मक्का की लोडिंग हुयी थी तथा इस वित्तीय वर्ष में दिनांक 24.05.2021 तक 25 रेक मक्का की लोडिंग हो चुकी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सुबह उठते ही करेंगे ये 2 काम तो स्किन कभी नहीं होगी सांवली

सूर्य की हानिकारक विकिरणों, धूल- मिट्टी, प्रदूषण का बुरा असर सबसे पहले त्वचा पर पड़ता है। इसके कारण त्वचा जल्दी सांवली होने लगती है। त्वचा को प्रदूषण से बचाने और स्किन को साफ करने के लिए आप कई क्रीमों का इस्तेमाल करते तो हैं लेकिन उससे कोई खास फायदा नहीं होता है। इसकी बजाए अगर आप सुबह उठकर सिर्फ २ काम करेंगे तो कई स्किन प्रॉब्लम आपसे दूर रहेंगी और त्वचा सांवली भी नहीं होगी। इससे स्किन को कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा।

सुबह उठते ही करें ये काम

1. चेहरे को धोना : सुबह उठते ही सबसे पहले अपने चेहरे को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। सुबह चेहरे को अच्छी तरह धोने से धूल-मिट्टी और गंदगी साफ हो जाती है। इससे चेहरे पर निखार और चमक आती है। मगर इस बात का ध्यान रखें कि चेहरा धोने के लिए फेसवॉश और साबुन का इस्तेमाल न करें क्योंकि इसमें केमिक्ल होते हैं। यह न सिर्फ चेहरे को नुकसान पहुंचाते है बल्कि इससे स्किन रूखी भी होने लगती है। इसके अलावा इससे चेहरे की चमक भी चली जाती है।

2. ब्रेकफास्ट हल्का-फुल्का खाएं : सुबह के ब्रेकफास्ट में हल्का-फुल्का भोजन करें और मसालेदार भोजन से दूर रहें। मसालेदार भोजन से चेहरे पर दाग-धब्बे और कील-मुहांसे की समस्या हो जाती है। इसके अलावा इससे पेट में गैस, एसिडिटी और कब्ज की शिकायत रहती है, जिसका असर चेहरे पर भी होता है। सुबह के समय हमेशा दलिया, ओट्स, हरी सब्जियां और फलों का सेवन करे। इससे त्वचा पर निखार और चमक बनी रहेगी।

विटामिन और फाइबर का पावरहाउस हैं भिंडी और ये ७ सब्जियां

घर के बड़ेअक्सर बच्चों को सब्जी खाने की नसीयत देते हैं। वहीं, हरी सब्जियों को देखते ही बच्चों का मुंह बन जाता है। इसके लिए वे कई तरह के बहाने भी बनाते हैं। सब्जियां विटामिन,खनिज पदार्थ और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। इनकी अनदेखी करने से शरीर में कई तरह की कमियां आने लगती हैं वहीं, प्रोटीन्स, फाइबर्स और मिनरल्स से भरपूर वेजीटेबल जवां और सेहतमंद रखने में मददगार हैं।

1. कद्दू - कद्दू का नाम सुनते लोग दूर भागते हैं लेकिन इसमें फोलिक एसिड, विटामिन सी,जिंक और मैगनीज भरपूर माात्रा में शामिल होते हैं। यह स्किन और हड्डियों के लिए बहुत लाभकारी है।

2. करेला - कड़वा करेला सेहत को लिए बहुत बढ़िया है। तेजी से वजन घटाना चाहते हैं तो करेले का सेवन करें। इससे डायबिटीज और कब्ज से भी राहत मिलती है।

3. बैंगन - फाइबर से भरपूर बैंगन कोलेस्ट्रॉल लेवल को घटाने का काम करता है। इसके अलावा ब्लड शूगर के मरीजों के लिए भी यह बहुत फायदेमंद है।

4. भिंडी - भिंड़ी में फाइबर की मात्रा भरपूर और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है। यह कैलोरी को कम करने में मददगार है। इसके अलावा ब्लड प्रैशर और दिल के मरीजो के लिए भी यह सब्जी बहुत लाभकारी है।

5. फूलगोभी - मैग्नीज, फॉस्फोरस, विटामिन बी कंपोनेंट्स से भरपूर फूलगोभी में कैलरी, प्रोटीन और विटामिन सी की भी बहुत अच्छी मात्रा होती है। इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

6. तरोई - हरी सब्जियो में तरोई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह लिवर स्वस्थ,खून साफ, पाचन क्रिया बेहतर और किडनी के रोगों से राहत दिलाने का काम करती है।

7. फ्रेंच बीन्स - फ्रेंच बीन्स यानि फलियां विटामिन ए,सी बी आदि सहित कई खनिज पदार्थों से भरपूर होती हैं। यह वजन घटाने और पेट की समस्याओं के लिए बैस्ट है।

योग म्यूजिक सुनने से दिल रहेगा हमेशा स्वस्थ

सोने से पहले योगा म्यूजिक सुनना घातक दिल के दौरे को रोक सकता है। यह दावा एक नए शोध के आधार पर किया जा रहा है। इसके अनुसार सोने से पहले ध्यान केंद्रत करने वाला मधुर संगीत सुनने से दिल की धड़कन की परिवर्तनशीलता बेहतर होती है। इससे खतरे या विश्वाम की अवस्था में खून पम्प करने की अपनी गति बदलने का काम बेहतर ढंग से कर सकता है। इससे पिछले एक शोध से पता चला था कि दिल की धड़कन में परिवर्तनशीलता की कम क्षमता होने से दिल के दौरे या स्ट्रोक का जोखिम 45 प्रतिशत तक बढ़ जाता है, जिससे उनकी मौत होने की संभावना भी अधिक हो जाती है।

विज्ञान के अनुसार योगा के लाभ

➤ गत वर्ष अगस्त में हुए एक शोध के बाद पता चला है कि योगा सैंट्रल नर्वस सिस्टम को लाभ पहुंचाता है। रोगों से लड़ने की शक्ति को मजबूत करता है और ध्यान केंद्रण में भी मदद करता है।

➤ एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि इस प्राचीन आध्यात्मिक अभ्यास से चिंता तथा अवसाद भी कम हो जाता है। इसके साथ ही इससे व्यक्ति अधिक सजग रहता है।

➤ योगा तनाव से निपटने में मदद करने वाले विशेष प्रोटीन्स तथा हार्मोंस के स्तर को भी बढ़ाता है।

➤ स्वस्थ शरीर के लिहाज से योगा और ध्यान लगाने से शरीर में सूजन कम होती है। इससे सैंट्रल नर्वस सिस्टम तथा इम्यून सिस्टम बेहतर ढंग से काम कर पाते हैं।

➤ योगा म्यूजिक सुनने से व्यक्ति की धड़कन में भिन्नता बढ़ जाती है और इससे घबराहट कम होती है। इसके साथ ही इससे आप खुश भी रहते हैं।

ध्यान लगाने के लाभ

1. मैडीटेशन यानी ध्यान लगाने से तनाव कम होता है।

2. एक रिपोर्ट के मुताबिक, ध्यान लगाने से दिल की बीमारी का जोखिम पैदा करने वाले कारण खत्म होते हैं। खासकर इससे रक्तचाप, चिंता तथा अवसाद का स्तर कम हो जाता है।

3. यह लोगों को धूम्रपान छोड़ने में भी मदद कर सकता है, जिससे दिल का घातक दौरे का खतरा कम हो जाता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संजना सांघी हैं अपनी सिंगल लाइफ से परेशान

बॉलीवुड एक्ट्रेस संजना सांघी ने अपनी लव लाइफ को लेकर बड़ी बात बोली है। वह इस समय सिंगल हैं। ऐसे में संजना सांघी ने कहा है कि उन्हें प्यार की तलाश है और साथ ही यह भी बताया है कि उन्हें कैसे पार्टनर चाहिए। संजना सांघी ने एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म दिल बेचारा में नजर आई थीं। इस फिल्म में सुशांत के साथ ही संजना की ऐक्टिंग की भी काफी तारीफ हुई थी। 'दिल बेचारा' के बाद संजना सांघी की लंबी फैन फॉलोइंग हो गई है। फैन्स संजना के रिलेशनशिप और लव लाइफ के बारे में जानना चाहते हैं तो अब उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की है। संजना सांघी ने एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए कहा है कि वह अभी किसी भी रिलेशनशिप में नहीं हैं। उन्होंने यह कहा कि अभी उनकी लव लाइव में कुछ भी नहीं हो रहा है और यह बेहद 'सैड' है। संजना ने अपनी लव लाइफ के बारे में आगे बात करते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि वह किसी रिलेशनशिप में नहीं आना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी जिंदगी में प्यार, रिलेशनशिप और कंपैनियन के लिए पूरी तरह ओपन हैं। संजना ने इस बारे में खुलकर बात करते हुए बताया है कि वह रिलेशनशिप में कैसा साथी चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वक्त के साथ 'टाइप' बदलता रहता है। उन्होंने कहा कि स्कूल टाइम में वह फुटबॉल प्लेयर्स की तरफ आकर्षित होती थीं मगर कॉलेज में आने के बाद उन्हें बोरिंग टाइप के पढ़ाकू लड़के पसंद आने लगे। अब संजना का कहना है कि वह इंतजार कर रही हैं कि अब उन्हें किस टाइप के लड़के आकर्षित करते हैं।

'डाकू' के अवतार में नजर आएंगी दीपिका

फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली और एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की बॉन्डिंग के बारे में फिल्म इंडस्ट्री और फैंस सभी अच्छे से वाकिफ हैं। दोनों के साथ में 'रामलीला', 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' जैसी बैक-टू-बैक तीन ब्लॉकबस्टर फिल्में बॉक्स ऑफिस को दी हैं। तीनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही हैं। अब कहा जा रहा है कि इन दोनों की जोड़ी चौथी फिल्म 'बैजू बावरा' की तैयारी कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक संजय लीला भंसाली अपनी आने वाली फिल्म 'बैजू बावरा' के लिए दीपिका पादुकोण को लीड रोल में लेना चाहते हैं। खबर है कि संजय इस फिल्म में दीपिका को डाकू रूपमती का किरदार देना चाहते हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई भी कन्फर्मेशन संजय या दीपिका की तरफ से नहीं दिया गया है। एक सूत्र ने बताया है कि इस फिल्म के लिए दीपिका और संजय पहले ही कई मीटिंग कर चुके हैं। इस फिल्म में दीपिका 1952 की डकैत रानी रूपमती की भूमिका निभाती दिखाई दे सकती है। दीपिका और एसएलबी दोनों ने फिल्म और करैक्टर पर चर्चा की है। कागजी कार्रवाई अभी बाकी है और कुछ पहलुओं पर दोनों की तरफ से सहमती होनी है। इसके बाद फिल्म को लेकर चीजें आगे बढ़ाई जाएंगी।

विलेन बनकर सलमान खान को कड़ी टक्कर देंगे इमरान हाशमी

सलमान खान और कैटरीना कैफ एक बार फिर साथ में नजर आने वाले है। इन दोनों की फिल्म टाइगर 3 की शूटिंग भी शुरू हो ही गयी थी। इस फिल्म के पिछले पार्ट को भी लोगो ने खूब पसंद किया था। वही अब टाइगर 3 में इन दोनों के साथ एक खास एक्टर की एंट्री हो गयी है। इस फिल्म में अब इमरान हाशमी भी नजर आएंगे। वो फिल्म में विलेन का किरदार निभाएंगे। बता दे, सलमान और कैटरीना के कुछ समय बाद इमरान हाशमी ने भी फिल्म के लिए शूटिंग शुरू कर दी थी। अब फिल्म में इमरान हाशमी का क्या रोल होगा इसे लेकर जानकारी सामने आई है। फिल्म में जहां सलमान और कैटरीना स्पाई अवतार में नजर आएंगे। वही, इमरान हाशमी फिल्म में पाकिस्तानी एजेंट का रोल निभाएंगे। उनके किरदार का नाम आतिश है। आपको बता दे, फिल्म में हीरो के साथ-साथ विलेन के कद को भी बराबरी का रखा है। आतिश को असरदार दिखाने के लिए इमरान हाशमी ने दो साल इसे दिए हैं। वो अपनी बॉडी को मस्कुलर बनाने में जुट गए थे। इमरान का कैरेक्टर काफी स्मार्ट होगा। उनका लुक अभी तक निभाए गए नेगेटिव रोल्स से कई आगे होगा और काफी स्टाइलिश भी होगा। इस फिल्म में वे सिक्स पैक एब्स में दिखेंगे। सलमान के साथ- साथ उनका भी फिल्म में शर्टलेस फाइट सीक्वेंस है।